30 सितम्बर,2020 गोरखपुर ।

1 अक्टूबर प्रति वर्ष पूरे देश में राष्ट्रिय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के रुप में मनाया जाता है , इस वर्ष राष्ट्रिय रक्तदान दिवस की थीम " let's donate blood voluntrily and contribute to the fight against CORONA"हैं, एवं नारा "रक्तदान करके देखो अच्छा लगता है" है।

मनुष्य के जीवन में रक्त की आवश्यकता एव महत्व दर्शाने के लिए प्रति बर्ष आज के दिन उत्साह के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बिशेष रूप से रक्तदाताओ को रक्तदान कर जीवन दान देने हेतु धन्यवाद किया जाता है

इस पावन अवसर पर गुरु श्री गोरक्षनाथ ब्लड बैंक अपने सभी स्वःरक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए स्वःरक्तदाताओं को रक्तदान करने हेतु आवाहन करता है। चुँकि किसी भी आपातकाल या प्राकृतिक आपदाओं से निपटने हेतु अथवा उन रोगियों जिन्हे रक्ताधान की बार - बार आवश्यकता पडती है ऐसे रोगियों को इन स्वःरक्तदाताओं के बल पर ही ब्लड बैंक इनकी मदद कर पाता हैं। अतः आप सभी महान रक्तदाताओं से आग्रह है कि वे न सिर्फ अपने बल्कि अपने मित्रो एवं संबंधियों के साथ भारी से भारी संख्या में रक्तदान कर ॠिषियों एवं महर्षियों की श्रेणी में खुद को स्थापित करने जैसा महान पावन एवं पूनित कार्य करें तथा रक्तदान के प्रति जन मानस में फैली नाना प्रकार कि भ्रांतियों को दुर करने तथा किसी भ्रम में न पडकर बढ - चढ कर रक्तदान करवाने का प्रयास करें। एक स्वस्थ्य व्यक्ति जो 18 से 65 वर्ष की आयु का है, जिसका वजन 45 किलो ग्राम से अधिक है तथा हीमोग्लोबिन की मात्रा 12.5 ग्राम से अधिक है वह बिना किसी संकोच अथवा भय के रक्तदान कर सकता है।

इस वर्ष वैश्विक महामारी के कारण सरकारी एवं गैरसरकारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुए इस विषय से सम्बद्ध विशेषज्ञ के जी यम यू की डाक्टर तूलिका चंद्रा एवं औषधि विभाग के अधिकारी गण लखनऊ से औषधि नियंत्रक उत्तर प्रदेश श्री ए के जैन नाको के सहायक सचिव श्री माधोश्याम त्रिपाठी जी वरिष्ठऔषधि निरीक्षक श्री बृजेश यादव ग़ाज़ियाबाद से पुर्व औषधि नियंत्रक श्री ए के पांडेय एवं गोरखपुर से डाक्टर ममता जैसवाल इत्यादि डिजिटल माध्यम से वर्चुअल रूप में रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए अपनी आभासी उपस्थिति द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करेंगे

इस शुभ अवसर पर रक्तदान करने वाले स्वःरक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतिकात्मक भेंट उपहार स्वरुप दिया जाऐगा। यह जानकारी ब्लड बैंक प्रभारी डा0 अवधेश अग्रवाल ने दी।